अंक-योजना

पूरी तरह से गोपनीय

(केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए)

सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा**, 2024**

विषय--हिंदी (ऐच्छिक) (Q.P. कोड **29/5/1--3)**

Series QP5RS/5

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते हैं कि अभ्यर्थियों के वास्तविक एवं सही मूल्यांकन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जो उम्मीदवारों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण को प्रभावित कर सकती है। गलतियों से बचने के लिए आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले स्पॉट मूल्यांकन दिशानिर्देशों को ध्यान से पढ़ें और समझें।
2	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। इसके किसी भी तरह से जनता के बीच लीक होने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य पर असर पड़ सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करने, किसी पत्रिका में प्रकाशित करने और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापने पर बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के तहत कार्रवाई हो सकती है।'
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना है। इसे अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालाँकि, मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं और/या नवीन हैं अथवा उनकी सत्यता का मूल्यांकन किया जा सकता है उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें भले ही उत्तर अंक-योजना से न हो, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता गिनाई गई हो, उचित अंक दिए जाने चाहिए।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाव-बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देशों की प्रकृति में हैं और संपूर्ण उत्तर नहीं बनाते हैं। विद्यार्थियों की अपनी अभिव्यक्ति हो सकती है और यदि अभिव्यक्ति सही है तो उसके अनुसार उचित अंक दिये जाने चाहिए।
5	मुख्य-परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर-पुस्तिकाओं को देखना होगा, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता हो तो विचार-विमर्श के बाद उसे शून्य किया जाए।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

	मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर-पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँगी कि मूल्यांकनकर्ताओं के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
6	जहाँ भी उत्तर सही होगा, मूल्यांकनकर्ता (√) अंकित करेंगे। गलत उत्तर के लिए क्रॉस **'X'** अंकित किया जाए।
7	यदि किसी प्रश्न के कुछ भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए दाहिनी ओर अंक दें। फिर प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को जोड़ दिया जाना चाहिए और बाएं हाथ के हाशिये में लिखा जाना चाहिए और घेरा बनाया जाना चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई भाग नहीं है तो बाएं हाथ के हाशिए में अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाना चाहिए। इसका भी सख्ती से पालन किया जाए।
9	**यदि किसी छात्र ने अतिरिक्त प्रश्न किया है तो अधिक अंक प्राप्त उत्तर मान्य हो और कम अंक आने वाले उत्तर को 'अतिरिक्त प्रश्न'–इस नोट के साथ काट दिया जाए।**
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटा जाएगा। इसके लिए केवल एक बार दंडित किया जाना चाहिए।
11	अंकों का एक पूरा पैमाना 0 से 80 का उपयोग करना होगा। यदि उत्तर योग्य है तो कृपया पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को आवश्यक रूप से पूरे कार्य समय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे तक मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (स्पॉट गाइडलाइन्स में विवरण दिया गया है)। प्रश्न-पत्र में कम किये गये पाठ्यक्रम और प्रश्नों की संख्या।
13	सुनिश्चित करें कि आप अतीत में मूल्यांकनकर्ता द्वारा की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की त्रुटियाँ न करें:- • उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उसके किसी भाग को बिना मूल्यांकन किये छोड़ देना। • किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंक से अधिक अंक देना। • किसी उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग। • उत्तर पुस्तिका के अंदर के पन्नों से मुख्य पृष्ठ पर अंकों का गलत स्थानांतरण। • शीर्षक पृष्ठ पर प्रश्नों के अंकों का गलत योग। • शीर्षक पृष्ठ पर दो कॉलमों के अंकों का गलत योग। • गलत कुल योग। • शब्दों और अंकों में लिखे गए प्राप्तांकों का परस्पर मेल न खाना/समान न होना। • उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंक-सूची में अंकों का गलत स्थानांतरण। • उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया गया, लेकिन अंक नहीं दिए गए।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

	• उत्तर के आधे या कुछ भाग को सही और शेष को गलत चिह्नित किया गया, लेकिन कोई अंक नहीं दिया गया।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो इसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	किसी भी मूल्यांकन न किए गए भाग, शीर्षक पृष्ठ पर अंक न ले जाना या उम्मीदवार द्वारा पाई गई कुल त्रुटि से मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान होगा। इसलिए, सभी संबंधित पक्षों की प्रतिष्ठा बनाए रखने के लिए, यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले **'स्पॉट मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश'** में दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंकों को मुख पृष्ठ पर ले जाया गया है, सही ढंग से योग किया गया है और अंकों और शब्दों में लिखा गया है।
18	उम्मीदवार निर्धारित प्रसंस्करण शुल्क का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

collegedunia
India's largest Student Review Platform

प्रश्न-पत्र कोड 29/5/1, 2, 3
अंक-योजना
हिन्दी (ऐच्छिक)

Series QP5RS/5

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 80

क्र. सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत	अंक
	29/5/1 प्रश्न सं.	29/5/2 प्रश्न सं.	29/5/3 प्रश्न सं.		
1	1	3	2	**खंड-अ** **(वस्तुपरक प्रश्न)** **अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) मुख (ii) (D) निष्कपटता (iii) (B) जोड़मेल (iv) (C) अविश्वास और अपमान (v) (D) अहित नहीं करता। (vi) (B) चाँद और सूरज के प्रकाश से। (vii) (D) स्पष्ट शब्दों में सत्य का उल्लेख करना। (viii) (C) बचपन से ही सत्य बोलने का अभ्यास करना चाहिए। (ix) (D) सत्य के मार्ग का अनुसरण करने के लिए। (x) (D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।	**10 x 1=10**

collegedunia India's largest Student Review Platform

2	2	2	1	**अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) संशय रहित होने पर ही आगे बढ़ने की राह निकलेगी। (ii) (C) प्रकाश की किरणें जल उठती हैं। (iii) (C) आगे बढ़ने हेतु प्रेरणा (iv) (B) प्रेरणा देने वाले के हाथ में (v) (A) समन्वित शक्ति से प्रकाश की तीव्रता (vi) (D) अदृश्य प्रेरणा शक्ति (vii) (B) प्रलय (विनाश) की स्थिति का अंत (viii) (D) असंतुष्ट मनुष्यों का	**8 x 1=8**
3	3	1	3	**अभिव्यक्ति और माध्यम पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) पूरक और सहयोगी हैं। (ii) (B) धन और कौशल की ज़रूरत के कारण (iii) (A) लेखन और संपादन की सुविधा होना। (iv) (B) लाइव (v) (B) साक्षात्कार	**5 x 1=5**
4	4	4	4	**पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (C) चरागाह के लिए छोड़ी गई जमीन (ii) (D) बीज का पोषण करना। (iii) (B) मन की झुंझलाहट (iv) (A) सृजन कार्य (v) (C) खेतों की उर्वरा शक्ति बढ़ जाएगी।	**5 x 1=5**
5	5	6	5	**पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्न--** (i) (B) कुटज के स्वाभिमान को (ii) (C) विरक्त संन्यासी (iii) (B) खुशामद करना (iv) (C) अवधूत से (v) (D) कुटज शान से स्वाभिमानपूर्वक जी रहा है।	**5 x 1=5**
6	6	5	6	**पूरक पाठ्यपुस्तक (अन्तराल) पर आधारित प्रश्न--** (i) (D) पूर्वजों का पिंड दान	**7 x 1=7**

collegedunia
India's largest Student Review Platform

				(ii) (D) अपमान और बदनामी का बदला लेने की इच्छा से। (iii) (D) बड़े गुलाम अली खाँ (iv) (B) फूलों की गंध (v) (B) पुरइन (vi) (A) नदी पार करने के लिए हाथी पर बैठना। (vii) (B) अपने जल-स्रोतों का संरक्षण करना।	
7	**7**	**7**	**7**	**खंड –ब** **(वर्णनात्मक प्रश्न)** **किसी एक विषय पर 100 शब्दों में रचनात्मक लेखन--** विषयवस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
8	**8**	**9**	**8**	**(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)** **किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क) • भाषा का सम्यक् ज्ञान/प्रयोग • उचित शब्द-विन्यास • प्रचलित एवं सहज भाषा-शैली का प्रयोग • संकेतों या चिह्नों का प्रयोग • बिंब और छंद का अनुशासन • समय विशेष की प्रचलित प्रवृत्तियों की जानकारी • नवीन दृष्टि या प्रतिभा (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ख)• संवाद संक्षिप्त, स्वाभाविक तथा सांकेतिक • संवाद क्रियात्मकता से पूर्ण /दृश्य बनाने की योग्यता से परिपूर्ण • शाब्दिक अर्थ से अधिक व्यंजनापूर्ण • शब्दों में ध्वन्यात्मकता • मौन तथा अंधकार अथवा ध्वनि से प्रभावित संवाद • पात्र एवम चरित्र के अनुकूल	**2 x 3=6**

collegedunia India's largest Student Review Platform

				• परिवेश के अनुरूप (कोई तीन बिंदु अपेक्षित) (ग) • कथानक • पात्र और चरित्र-चित्रण • संवाद • देशकाल और वातावरण • भाषा-शैली • उद्देश्य • द्वंद्व • चरमोत्कर्ष	
9	**9**	**8**		**प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित --** (क)• साफ-सुथरी टंकित प्रति • हाशिया छोड़कर ट्रिपल स्पेस में टंकित प्रति • पृष्ठ के अंत में कोई पंक्ति अधूरी न हो • कठिन शब्दों से बचाव • अंकों (आँकड़ों /संख्याओं) का लेखन शब्दों में • डेडलाइन, संदर्भ और संक्षिप्ताक्षर का सतर्कतापूर्ण प्रयोग (ख) (1+2) • उलटा पिरामिड शैली समाचार लेखन की सर्वाधिक लोकप्रिय, उपयोगी और बुनियादी शैली जिसमें इंट्रो, बॉडी और समापन के अनुसार क्लाइमेक्स आरम्भ में **क्यों--** • लेखन तथा संपादन की सुविधा के कारण • पाठकों का ध्यान आकर्षित करने के लिए • मुख्य समाचार हेड लाइन में होने से (क)• सरल वाक्य-संरचना को प्राथमिकता • स्तरानुकूल सार्थक शब्दों का प्रयोग • पठन में अभिरुचि, समसामयिक जानकारी	**2 x 3=6**

collegedunia India's largest Student Review Platform

			9	• लेखन में विविधता हेतु मध्यम आकार के एवं कुछ बड़े वाक्यों, मुहावरों और लोकोक्तियों का प्रयोग • अशुद्धियों और गैरज़रूरी बातों से बचाव • लेखक का उद्देश्य भावनाओं, विचारों व तथ्यों को व्यक्त करना न कि दूसरों को प्रभावित करने का प्रयास करना • विचारों में सुसम्बद्धता और तारतम्यता (ख)• समाचार में उलटा पिरामिड शैली का प्रयोग, फीचर में प्राय: कथात्मक शैली का प्रयोग • समाचार की भाषा में सपाट बयानी, फीचर की भाषा-सरल, रूपात्मक, आकर्षक • समाचार में वस्तुनिष्ठता तथा शुद्धता, फीचर में भावनाओं, विचारों का सम्यक प्रयोग • समाचार में शब्द सीमित, फीचर में असीमित • समाचार में छह ककारों का प्रयोग, फीचर में आवश्यक नहीं (क) (1+2) • सुव्यवस्थित, सृजनात्मक और आत्मनिष्ठ लेखन होने के कारण अधिकांशतः कथात्मक शैली का प्रयोग **विशेषता--** • लेखक के पास अपनी राय, दृष्टिकोण और भावनाएँ दर्शाने का अवसर • सरल, रूपात्मक, आकर्षक और सारगर्भित लेखन • प्रारंभ, मध्य और अंत का एक सुगठित ढाँचा • उद्देश्य के इर्द-गिर्द गुँथे हुए तथ्य, विचार और सूचनाएँ • अतीत, वर्तमान और भविष्य से संबद्ध (ख) (1+2) • संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेखन-- अखबार की अपनी आवाज **महत्त्व--**	

collegedunia India's largest Student Review Platform

				• इस लेख में संपादक और उसके सहयोगियों द्वारा विभिन्न घटनाओं और समाचारों पर राय • प्रमुख राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं पर वैचारिक टिप्पणी • संपादकीय किसी तात्कालिक विषय पर प्रमुख लेख	
10	**10**	**10**		**पद्य खण्ड पर आधारित किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• भारत ऐसा देश जहाँ पर अनजान लोगों को भी सहारा • आतिथ्य सत्कार • परदुखकातरता • विश्वबंधुत्व की भावना (ख)• बनारस में वसंत का अचानक आगमन • लहरतारा और मडुआडीह की ओर से धूल का बवंडर उठना और शहर का धूल से भर जाना • पूरे वातावरण में उल्लास छा जाना • दशाश्वमेघ घाट के आखिरी पत्थर का कुछ और मुलायम हो जाना • बंदरों की आँखों में नमी और भिखारियों के कटोरों में आश्चर्यजनक चमक आना (ग)• 'पद्मावत' महाकाव्य का • चकवी --- चकवे से न मिल पाना कोयल --- दिन-रात विरह से व्यथित रहना मादा सारस --- पति का नाम रट- रट कर मर जाना (क)• भिखारियों के खाली कटोरों का दान में मिले पैसों से भर जाना • दीन-हीन जन का उमंग और उत्साह से भर जाना • आशा का संचार होना (ख)• भ्रातृत्व प्रेम से युक्त • अपराधी पर भी क्रोध न करना • विनम्र और शांत • सहृदय, समदर्शी	**2 x 2=4**

collegedunia India's largest Student Review Platform

			10	(ग) • विरह के कारण अत्यंत दयनीय स्थिति • प्राकृतिक उपादानों के कारण विरह-वेदना उद्दीप्त हो जाना • राख बनकर भी प्रियतम के हृदय से लगने और मार्ग में बिछकर चरण-स्पर्श की इच्छा • सर्वस्व समर्पण का भाव (क)• विरह के कारण अत्यंत दयनीय स्थिति • प्राकृतिक उपादानों के कारण विरह-वेदना उद्दीप्त हो जाना • क्षीण हो जाने के कारण आभूषण भी न पहन पाना • विरह रूपी अग्नि का नागमती को जलाकर मानो अपने साथ उड़ाकर ले जाना (ख)• विराट के सम्मुख बूँद का समुद्र से अलग दिखना • नष्ट होने के बोध से मुक्ति • जीवन में क्षण का महत्त्व • क्षणभंगुरता का बोध • विराट/समष्टि से अलग होकर व्यक्ति की सार्थकता (ग))• पत्थर और चट्टान --सामाजिक कुरीतियाँ और रूढ़ियाँ, संकुचित, संकीर्ण भावनाएँ • क्योंकि ये सभी सृजन के मार्ग में बाधक, विकास के लिए सृजन आवश्यक	
11	11		11	**किसी एक काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या--** संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता—सरोज-स्मृति **अथवा** (ख) कवि –विद्यापति कविता—पद	**6**

collegedunia India's largest Student Review Platform

		12		(क) कवि –विद्यापति कविता—पद **अथवा** (ख) कवि – सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' कविता—सरोज-स्मृति	
12	**12**			**गद्य खंड पर आधारित दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• हिंदुस्तानी रईस • तीज-त्योहारों पर नाच-गाना • अदाओं से रियासतदारी टपकना • कन्धों तक लटकते बाल • बातचीत में विलक्षण-वक्रता • नौकरों के साथ मजाकिया व्यवहार (ख) मुक्त उत्तर (छात्रों द्वारा दिए गए उचित तर्क स्वीकार्य) (ग) "और कितना कड़ा करूँ दिल?... माँ से कहना, मैं भाई भाभियों की नौकरी करके पेट पालूँगी । बच्चों की जूठन खाकर एक कोने में पड़ी रहूँगी, लेकिन यहाँ अब नहीं... अब नहीं रह सकूँगी । ....कहना, यदि माँ मुझे यहाँ से नहीं ले जाएगी तो मैं किसी दिन गले में घड़ा बाँधकर पोखरे में डूब मरुँगी।... बथुआ-साग खाकर कब तक जीऊँ? किसलिए... किसके लिए?"	**2 x 2=4**
		11		(क)• धर्म पर केवल धर्माचार्यों का ही अधिकार बने रहना • धर्मशास्त्र को अत्यंत गूढ़ बनाये रखना • आम आदमी का धर्म से सीधा संबंध नहीं (ख)• फारसी के अच्छे ज्ञाता • पुरानी हिन्दी कविता के प्रेमी	

collegedunia India's largest Student Review Platform

			12	• फारसी कवियों की उक्तियों को हिन्दी कवियों की उक्तियों के साथ मिलाना • भारतेंदु जी के नाटक बहुत प्रिय • घर के लोगों को 'रामचरितमानस' और 'रामचंद्रिका' चित्ताकर्षक ढंग से पढ़कर सुनाना (ग)• उसे मात्र संदेशवाहक न मानकर उसके प्रति खूब आदर सत्कार का व्यवहार • पेट भर भोजन खिलाना • राह – खर्च की राशि भी देना • विश्वासपात्र • गाँव वालों की उसके प्रति अवधारणा –पेटू, कामचोर, निठल्ला व औरतों का गुलाम (क)• तदात्मीयता/ समानुभूति के कारण • परदुखकातरता का भाव • भावुकता और संवेदनशीलता • कुछ न कर पाने का अपराधबोध • बड़ी बहुरिया के वैभवपूर्ण अतीत की स्मृतियाँ (ख)• विद्यालय की सर्वश्रेष्ठता सिद्ध करना • विद्यार्थी का उत्कृष्ट प्रतिभा-प्रदर्शन • विद्यार्थी की प्रतिभा के माध्यम से स्वयं की योग्यता और छात्रों के साथ परिश्रम दर्शाना (ग)• बात को काँट-छाँटकर कहना • व्यंग्यात्मक तरीके से बात कहना • मनोरंजक शैली में बातचीत जैसे—" जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है" • बातचीत का ढंग उनके लेखों के ढंग से एकदम निराला	
13				**किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या --** संदर्भ : 1 अंक (पाठ व लेखक का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध)	**6**

collegedunia India's largest Student Review Platform

	13	**13**	**14**	व्याख्या : 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) पाठ – जहाँ कोई वापसी नहीं लेखक—निर्मल वर्मा **अथवा** (ख) पाठ –दूसरा देवदास लेखिका--ममता कालिया (क) पाठ –दूसरा देवदास लेखिका --ममता कालिया **अथवा** (ख) पाठ—गांधी, नेहरू और यास्सेर अराफ़ात लेखक –भीष्म साहनी	
14	**14**		**13**	**किसी एक प्रश्न का उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित--** (क)• अंधे भिखारी द्वारा धन-संचय करना, पाप-संचय से कम अपमान की बात नहीं • भिखारी के पास धन होने की बात प्रकट होने पर भीख मिलने की सम्भावना न होना • भिखारी के पास धन होना लज्जा की बात **अथवा** (ख) (2+1) • गाँव में घास-पात से भरे मेड़ों पर, मैदानों में, तालाब के भीटों पर नाना प्रकार के साँप मिलना • कुछ साँप विषैले तो कुछ विषहीन • दो मुँहा साँप का होना **अंधविश्वास** – • साँपों का जातिगत विभाजन • डोंड़हा जाति के साँप को वामन जाति का मानने के कारण न मारना	**3**

collegedunia India's largest Student Review Platform

		14		• धामिन विषहीन लेकिन इस जाति के साँप के मुँह से कुश पकड़कर पूँछ से मारने पर अंग का सड़ जाना (क) (2+1) • गाँव में घास-पात से भरे मेड़ों पर, मैदानों में, तालाब के भीटों पर नाना प्रकार के साँप मिलना • कुछ साँप विषैले तो कुछ विषहीन • दो मुँहा साँप का होना **अंधविश्वास** – • साँपों का जातिगत विभाजन • डोंड़हा जाति के साँप को वामन जाति का मानने के कारण न मारना • धामिन विषहीन लेकिन इस जाति के साँप के मुँह से कुश पकड़कर पूँछ से मारने पर अंग का सड़ जाना **अथवा** (ख)• अंधे भिखारी द्वारा धन-संचय करना, पाप-संचय से कम अपमान की बात नहीं • भिखारी के पास धन होने की बात प्रकट होने पर भीख मिलने की सम्भावना न होना • भिखारी के पास धन होना लज्जा की बात	

collegedunia
India's largest Student Review Platform